

लखनऊ

माननीय जनाब.....

सलामुन अलैकुम

खुदा से दुआ है कि आप अपने शरीर व रूह के स्वास्थ्य के बेहतरीन पलों में हों। आपको यह जानकर खुशी होगी कि इन्साइक्लोपीडिया (विश्वकोष) के प्रकार से भारत के शिया-इमामिया पर एक सर्वांगीन महान संकलन काम का शुभारम्भ हो चुका है। यह काम अपनी तरह से अनोखा है। इसका कार्यक्षेत्र बहुत बड़ा है और यह बहुत ही गम्भीर प्रयत्न, पक्की दूरदृष्टि, और गहरी नज़र चाहता है। यह किसी एक आदमी या कुछ लोगों के बस का नहीं है। इसमें लगभग पूरे समाज की हर सम्भव और संगठित भागीदारी की ज़रूरत है।

आप जैसे सामाजिक जज़्बा रखने वाले जागरूक हज़रात का ध्यान और भी महत्वपूर्ण, ज़रूरी और मूल्यवान है। आप जैसे जानकार से पूरी आशा है कि काम के महत्व को ध्यान में रखते हुए आप अपने भरपूर सहयोग के साथ आगे आयेंगे।

अभी कुछ फार्म आपकी सेवा में भेजे जा रहे हैं। आपसे विनती है कि आप खुद और अपने प्रभाव क्षेत्र से अधिकाधिक जानकारी उपलब्ध करा दें। अति कृपा होगी। विशेषतय: अपने, अपने परिवार, और अपने प्रभावक्षेत्र से जानकारी ज़रूर उपलब्ध करायेंगे। अगर आपकी जानकारी में ऐसे लोग हैं या संगठन, किताबें, हस्तलिपियाँ, पाण्डुलिपियाँ या अभिलेख आदि हैं तो इस सम्बन्ध में उपयोगी हो सकते हैं और आप किसी कारणवश उन से सम्पर्क न कर पा रहे हैं तो कृपा करके हमें उनका संकेत, पता दे दें।

यह फ़ार्म केवल प्रतीतात्मक (Indicative) हैं। ज़रूरत हो तो इनमें संशोधन कर सकते हैं या और ज़रूरी सूचनाएं/डाटा बढ़ा सकते हैं। अपनी ज़रूरत भर इनकी फोटोकापी करवा लें।

हमें पूरी-पूरी आशा है कि आप हमें निराश न करेंगे। आपके मूल्यवान सहयोगपर ही इस महान काम का आधार है। आपके प्रयत्नों की छाप सदा ही अमर और उपयोगी रहेंगे।

आपके कष्टों के लिए दिल की गहराईयों से आभार और धन्यवाद।

आपका निष्ठावान भवदीय

(सैय्यद मुस्तफ़ा हुसैन नक़वी 'असीफ़' जायसी)

सम्पादक मासिक शुआ-ए-अमल (हिन्दी-उर्दू) एवं

साप्ताहिक 'वाएज़' (उर्दू) लखनऊ